ജില്ലാ വിദ്യാഭ്യാസ പരിശീലന ഇൻസ്റ്റിറ്റ്യൂട്ട് (ഡയറ്റ്)

തൃശ്ശൂർ

ഫോക്കസ് 2021

എസ്. എസ്. എൽ. സി. വിദ്യാർത്ഥികൾക്കുള്ള പഠന സഹായി

ഹിന്ദി

District Institute of Education and Training

Ramavarmapuram (P.O), Thrissur (Dist(, Kerala, Pin : 680631

Ph : 0487 2332070, Email : diettcr@gmail.com

ജില്ലാ വിദ്യാഭ്യാസ പരിശീലന ഇൻസ്റ്റിറ്റ്യൂട്ട് (ഡയറ്റ്) തൃശൂർ.

ഫോക്കസ് 2021.

എസ്.എസ്.എൽ.സി വിദ്യാർത്ഥികൾക്കുള്ള പഠന സഹായി.

Support Materials for SSLC March 2021.

അക്കാദമിക സഹായം.

ജില്ലാ വിദ്യാഭ്യാസ പരിശീലന ഇൻസ്റ്റിറ്റ്യൂട്ട് കോഴിക്കോട്.

ജില്ലാ വിദ്യാഭ്യാസ പരിശീലന ഇൻസ്റ്റിറ്റ്യൂട്ട് ഇടുക്കി.

നിർമ്മാണ ചുമതല : സി എം ഡി ഇ വിഭാഗം ഡയറ്റ് തൃശൂർ.

പ്രസിദ്ധീകരിച്ചത് : 2021 ഫെബ്രുവരി.

പ്രിയ കുട്ടികളേ,

സ്കൂളിൽ പോയി കൂട്ടുകാരോടൊപ്പമിരുന്ന് അധ്യാപകരുടെ ക്ലാസ്സുകൾ കേൾക്കാനും പഠന പ്രവർത്തനങ്ങൾ നിർവ്വഹിക്കാനും കഴിയാത്ത ഒരു അധ്യയന വർഷമാണ് കടന്നു പോകുന്നത്. ലോകത്തെ മുഴുവൻ ഗ്രസിച്ച കോവിഡ് 19 രോഗബാധ നമ്മുടെ സാധാരണ അധ്യയന രീതികളെയാകെ പുനഃസംവിധാനം ചെയ്യാൻ പ്രേരിപ്പിച്ചു. സംസ്ഥാനതലത്തിൽ ഫസ്റ്റ് ബെൽ ഓൺലൈൻ ക്ലാസ്സുകൾ മുഴുവൻ വിദ്യാർത്ഥികൾക്കും ലഭ്യമാക്കുകയും അധ്യാപകരുടെ പിന്തുണയോടെ പഠന പ്രകിയ പൂർത്തിയാക്കുകയുമാണ് നാം ചെയ്യ്തത്. ഇനിയുള്ളത് കുട്ടികളുടെ സംശയ പരിഹരണത്തിനും പരീക്ഷാ തയ്യാറെടുപ്പിനു മായുള്ള ദിനങ്ങളാണ്. ആത്മവിശ്വാസത്തോടെ എസ്.എസ്.എൽ.സി.പരീക്ഷ നേരിടുന്നതിനായി കുട്ടികളെ സുസജ്ജരാക്കേണ്ടതുണ്ട്. പരീക്ഷയ്ക്കായി കൂടുതൽ ഊന്നൽ നൽകി പഠിക്കേണ്ട പാഠ ഭാഗങ്ങൾ എസ്.സി.ആർ.ടി.നിർദേശിച്ചിട്ടുണ്ട്.

തൃശൂർ ഡയറ്റിന്റെ അക്കാദമിക നേതൃത്വത്തിൽ കോഴിക്കോട്, ഇടുക്കി ഡയറ്റുകളുടെ സഹകരണത്തോടെ എസ്.എസ്.എൽ.സി. ഫോക്കസ് ഏരിയകളെ ആധാരമാക്കിയുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങൾ അടങ്ങിയ പഠന സഹായി തയ്യാറാക്കിയിരിക്കുകയാണ്. പരീക്ഷയുടെ തയ്യാറെടുപ്പുകൾക്കായി നേരിട്ട് അധ്യയനം ആരംഭിച്ച സാഹചര്യത്തിൽ പഠന പ്രവർത്തനങ്ങൾക്കായി അധ്യാപകരും വിദ്യാർത്ഥികളും **"ഫോക്കസ് 2021"** പഠന സഹായി ഫലപ്രദമായി ഉപയോഗിക്കുമെന്നും അത് അവരെ വിജയത്തിലേക്ക് നയിക്കുമെന്നും പ്രതീക്ഷിക്കുന്നു.

ശ്രീമതി എൻ.ഗീത
വിദ്യാഭ്യാസ ഉപഡയറക്ടർ
തൃശൂർ

ശ്രീ. ടി .അബ്ദുൾ നാസിർ
പ്രിൻസിപ്പൽ,ഡയറ്റ്
തൃശൂർ

हिंदी

- बीरबहूटी
- हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
- टूटा पहिया
- आई एम कलाम के बहाने
- सबसे बड़ा शो मैन

इकाई 1

पाठ 1

बीरबहूटी

<u>विशेषण शब्द पहचानें</u>

विशेषण और विशेष्य	विशेषण
सफेद पट्टी	सफेद
भूरी जमीन	भूमि
नीली स्याही	नीली
हरा खेत	हरा
छोटा बाजरा	छोटा
गीली हवाएं	गीली
पीले फूल	पीले
भयभीत चेहरा	भयभीत
गहरा गड्ढा	गहरा

बीरबहूटी की विशेषताएँ :-

बीरबहूटी

सुर्ख

मुलायम

गदबदी

खून की बूँदें जैसी

फुलेरा जंक्शन की विशेषताएँ

फुलेरा

माल गाड़ियों और सवारी गाड़ियों से भरा

सूनी तंग गलियाँ

बिजली के खंभे

तारों की कतारें

धंडियाँ बजाते फेरीवाले

❖ **गुजरें मुख्य घटनाओं से :-**

- गीली ज़मीन पर बेला और साहिल का बीरबहूटीयों को खोजना ।
- पैन में स्याही भरवाने केलिए दुकान जाना।
- सुरेंदर मास्टर का कॉपी जाँचना।
- सुल्ताना डाकू कहकर बच्चों का चिढ़ाना।
- गांधी चौक की बालू में लंगड़ी टाँग खेलना।
- बेला और साहिल का सरकारी अस्पताल में मिलना।
- पाँचवीं का रिज़ल्ट आना ।
- एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड दाखने ।

- बेला और साहिल का बिछुड़ जाना ।

- **दोस्ती बेला और साहिल**
  - हमेशा एक साथ स्कूल आना-जाना
  - बीरबहूटीयों को खोजना
  - एक साथ पढना-लिखना
  - एक का दर्द दूसरे का भी समझना
  - अलग होने पर दुःखी होना
  - एक दूसरे को चाहना

इन प्रयोगों पर ध्यान दें :

- "बादल को देखकर धड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।"

  बिना सोच-विचार करके कुछ नहीं करना चाहिए। साहिल ने पैन में नई स्याही भरवाने की इच्छा से उसमें बची स्याही ज़मीन पर छिड़क दिया था। दुकान में स्याही खतम हो गई थी। तब दुकानदार ने साहिल से ऐसा कहा।

- जब बेला साहिल के पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिल पाई।

  बेला जानती थी कि अपने दोस्त साहिल की नज़र में वह बहुत अच्छी लड़की है। साहिल के सामने बेला स्वयं अपमानित होना नहीं चाहती थी। माटसाब ने साहिल के सामने बेला के बालों में पंजा फंसाकर फेंकने वाले थे। यह देखकर सब डर गए थे। इससे पहला शर्मिंदा महसूस हुई थी। इसलिए बोला साहिल के पास आकर बैठ गई। वह उससे नज़र नहीं मिल पाई।

- यह बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था।

  साहिल और बेला अगले साल अलग-अलग स्कूल में पढ़ने वाले हैं। उनकी दोस्ती आगे खतम होने वाली है। यह सोचकर दोनों की आँखें भर गई थीं। यह देखकर लेखक को ऐसा लगा कि यह बारिश से पहले की बारिश का एक दिन था।

- बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्कुरा रही हो।

गांधीजी बच्चों से बहुत प्यार करते थे। बच्चे खेल घंटी में गांधी चौक की बालू में लंगड़ी टाँग खेला करते थे। बच्चों की दोस्ती और प्यार देखकर कहानीकार को लगता है कि गांधी जी की मूर्ति और समय से कुछ अधिक मुस्कुरा रही हो।

चरित्र चित्रण :

सुरेंद्र माटसाब

- गणित का मास्टर
- गुस्सालू प्रकृति
- बच्चों का डरना
- अकारण मारना
- क्रूर स्वभाववाला

सुरेंद्र माटसाब : ऐसे भी एक मास्टर!

'बीरबहूटी' की कहानी का प्रमुख पात्र है – सुरेंद्र माटसाब। वे बेला और साहिल के गणित का मास्टर है। वे आदत से गुस्सालू हैं। बच्चे उनके नाम सुनते ही डर जाते हैं। उनके पीरियड के दो मिनिट पहले बच्चे अपने-अपने स्थान पर आ बैठते हैं। वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को मारते हैं। बालों को पकड़कर इधर-उधर फेंकते हैं। बच्चों की कॉपियाँ भी फेंक देते हैं। वे क्रूर स्वभाव के अध्यापक हैं। वे मास्टर बनने के योग्य नहीं है।

बेला और साहिल

- आपस में चाहना
- एक साथ स्कूल आना-जाना
- एक दूसरे का दुख अपना दुख समझना
- बिछुड़ दुःखी होना
- सच्ची दोस्ती

बेला और साहिल : दोस्ती की मिसाल

बेला और साहिल 'बीरबहूटी' कहानी के मुख्य पात्र हैं। वे पाँचवीं कक्षा में पढ़ते हैं। वे आपस में बहुत चाहते हैं। हमेशा एक साथ स्कूल आते जाते हैं। बीरबहूटियों को खोजना आदि एक साथ करते हैं। वे दूसरे का दुःख अपना दुःख समझते हैं। एक साथ बैठते हैं, खेलते हैं। पाँचवीं पास करके वे दोनों अलग-अलग जगहों पर जाते हैं। इसलिए दोनों बहुत दुःखी होते हैं।

- **वार्तालाप**

ध्यान दें :-

विचार विनिमय केलिए
अनौपचारिक
सरल एवं प्रसंगानुकूल भाषा
पूर्ण वाक्य की ज़रूरत नहीं

- दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बंधी थी। इस प्रसंग पर बेला और साहिल के बीच का वार्तालाप लिखें।

साहिल	:	बेला, ओ बेला...
बेला	:	क्या बात है साहिल ?
साहिल	:	तेरे सिर पर क्या हुआ ?
बेला	:	चोट लगी है।
साहिल	:	कैसे ?
बेला	:	छत से गिर गई।
साहिल	:	छत से गिर गई ?
बेला	:	चलो यार, लंगड़ी टाँग खेलेंगे।
साहिल	:	नहीं, तेरे सिर पर फिर से लग जाएगी तो... ?
बेला	:	नहीं लगोगी। चलो।

❖ **पटकथा**

दृश्य सं :
स्थान :
समय :
पात्र,आयु :
वेशभूषा :
संदर्भ :
संवाद :

पाँचवीं का रिज़लट आ गया। दोनों पास हो गए। अब वे दोनों स्कूल के मैदान में खड़े हैं। इस प्रसंग पर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

दृश्य एक

स्थान	: स्कूल का मैदान
समय	: सुबह ग्यारह बजे
पात्र आयु	: बैला (11 साल)
	साहिल (11 साल)
वेशभूषा	: स्कूली वर्दी
संदर्भ	: (रिजल्ट देखने के बाद दोनों स्कूल के मैदान में खड़े होकर बातें करते हैं)

संवाद

बेला	: (बड़ी खुशी से) साहिल हम दोनों पास हो गए न?
साहिल	: (खुशी से) हाँ बेला
बेला	: साहिल, अब तुम कहाँ पढ़ोगे?
साहिल	: (उदास होकर) अजमेर, वहाँ के हॉस्टल में।

बेला : (आश्चर्य से) अजमेर ! हॉस्टल ! ?

साहिल : (दुःखी होकर) तुम कहाँ पढोगी बेला?

बेला : मैं शहर के राजकीय कन्या पाठशाला में । (साहिल की आंखों से आंसू देखकर) रोनी सूरत साहिल........ रोनी सूरत साहिल......

(दोनों हँसते हैं। फिर अलग-अलग रास्ते पर चले जाते हैं)

दृश्य समाप्त

❖ **पत्र की रूपरेखा**

स्थान,
तारीख
संबोधन
अभिवादन
कलेवर
हस्ताक्षर
नाम
सेवा में,
नाम
पता

बेला और साहिल की भर्ती अलग-अलग स्कूल में हुई । बेला साहिल के नाम जो पत्र लिखती है, वह कल्पना करके लिखें।

फुलेरा।

15 जून 2020

प्रिय साहिल,

नमस्कार ।

तुम कैसे हो? स्कूल कैसा है ? तुम्हें पसंद आया क्या ? नए-नए मित्र होंगे न? होस्टल में सारी सुविधाएँ हैं क्या ?

साहिल तुम्हें पता है, हमेशा तुम्हारी याद आती है। खेलते समय, स्कूल आते-जाते समय। बहुत अच्छे दिन बिताए थे हम। स्कूल में आना-जाना..., रास्ते में बीरबहूटीयों को खोजना..., कक्षा में साथ-साथ बैठना, लंगड़ी टाँग खेलना...। मेरी गणित अध्यापिका रीता जी बहुत अच्छी है। कोई भी अध्यापक हमें मारते नहीं है। सभी अध्यापक अच्छा हैं।

साहिल, बस अब इतना ही । बाकी अगले पत्र में । छुट्टियों में गाँव आओगे न ? तब मिलेंगे ज़रूर ।

तुम्हारी प्रिय सहेली

हस्ताक्षर

बेला

सेवा में, नाम पता

टिप्पणी

साहिल और बेला की दोस्ती:-

साहिल और बेला दोनों पाँचवीं कक्षा में पढ़नेवाले दो छात्र हैं । दोनों अच्छे मित्र हैं। वे एकसाथ स्कूल जाते हैं और रास्ते में बीरबहूटी को खोजते हैं। वे एक साथ भोजन करते हैं। पाँचवीं का रिजल्ट आया तो छठी कक्षा में दोनों अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने की बात सुनकर बहुत दुःखी होते हैं। वे एक दूसरे को बहुत प्यार करते हैं।

पाठ - 2

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था (टिप्पणी)

(विनोदकुमार शुक्ल)

- शिल्प पक्ष - इसे काव्य पक्ष भी कहते हैं। कविता की भाषा, छंद, अलंकार, शैली, प्रतीक, बिंब आदि से संबंधित है।

- भाव पक्ष - इसे आंतरिक पक्ष भी कहते हैं। इसका सीधा संबंध कविता के आशय या भाव से हैं। इसमें विशेष रूप से भावनाओं कल्पनाओं तथा विचारों की प्रधानता है।

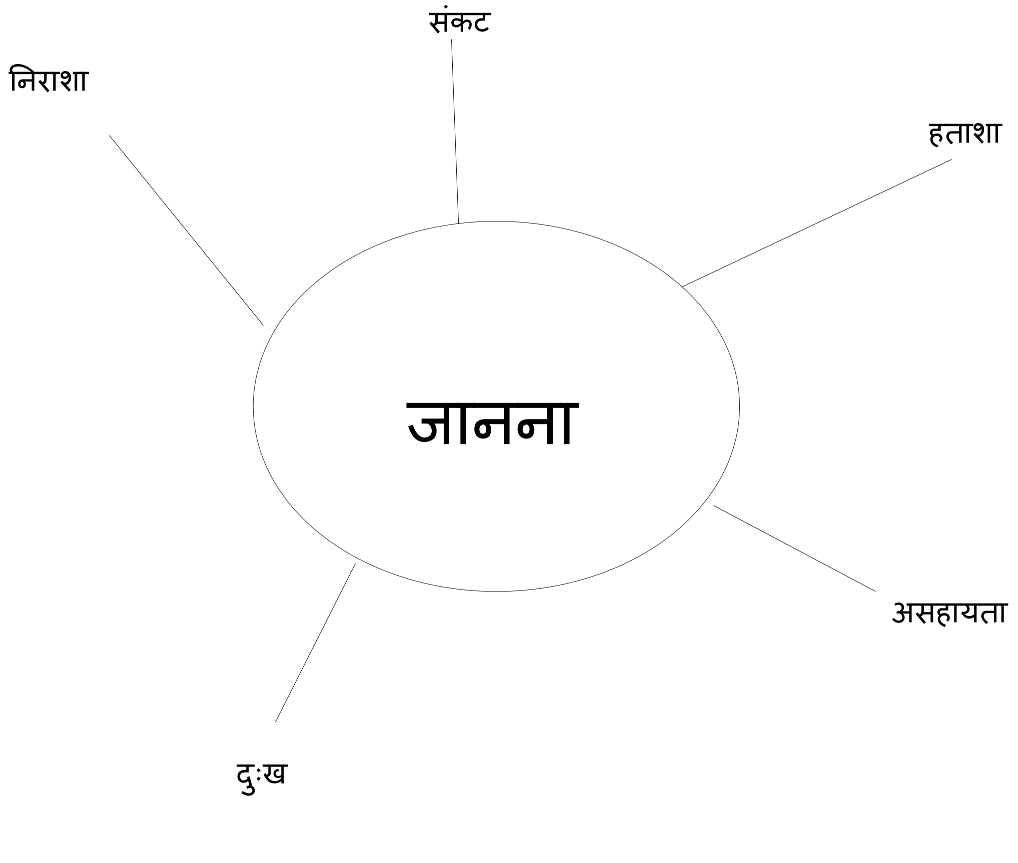

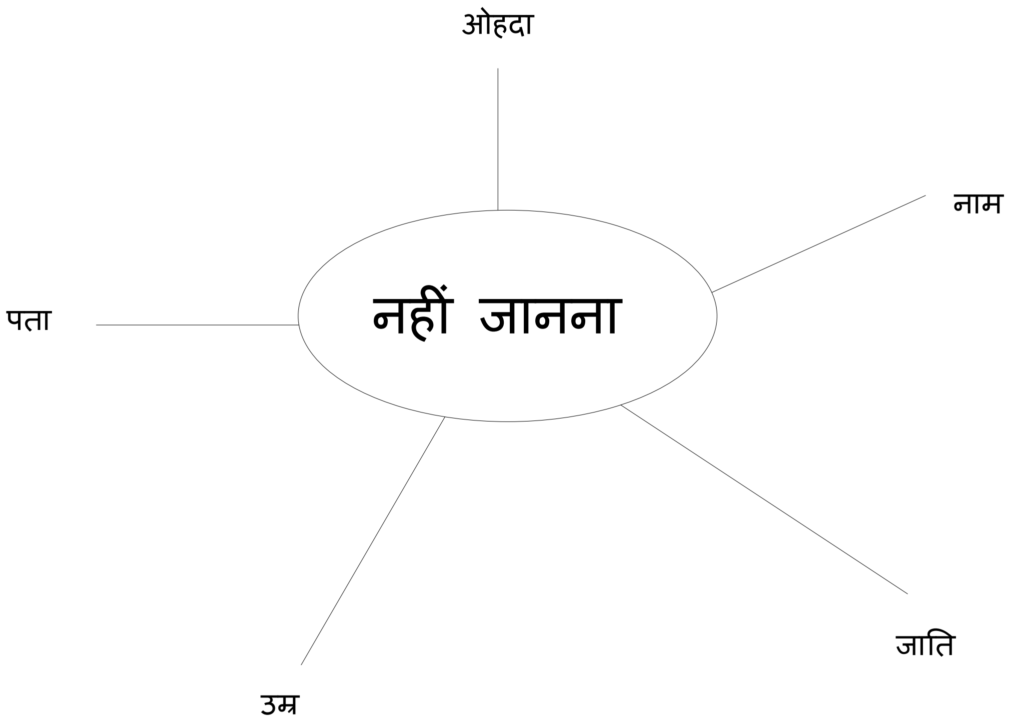

❖ **सही प्रस्ताव चुनें।**

- कवि व्यक्ति को पहले से जानता था। ☐
- कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था। ☐
- व्यक्ति को उसका नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति से जानता है। ☐
- व्यक्ति के संकट को जानना चाहिए। ☐
- दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता या मानवीय संवेदना होना चाहिए। ☐
- मुसीबत में पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर मदद करना हमारा कर्तव्य है। ☐

- जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व है। ☐

- विनोद कुमार शुक्ल की भाषा मौलिक एवं सहज हैं। ☐

- कविता एक ग़ज़ल की तरह श्रोताओं के ज़ुबान पर स्वयं आ जाते हैं। ☐

- इस कविता में जानना शब्द के रुढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है। ☐

रपट पढें

कुत्ता बचाने के दौरान बाइक दुर्घटनाग्रस्त : घायल व्यक्ति देर तक सड़क पर पड़ा रहा।

त्रिचुर : रेलवे स्टेशन रोड पर एक कुत्ता बचाने के दौरान बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घायल व्यक्ति 15 मिनट तक सड़क पर ही खून बहाकर पड़ा रहा । लोग तमाशा की तरह देख रहे थे। उसे अस्पताल ले जाने के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। बाद में पुलिस आकर उसे इलाज के लिए त्रिचुर मेडिकल कॉलेज ले गया । घायल की पहचान बडकरा के मलयिल रमेश चंद (25) के रूप में हुई है।

- मान लें, आप इस घटनास्थल पर उपस्थित हैं तो क्या करते ? क्यों ?

उस घटनास्थल में मैं हूँ तो उसे ज़रूर अस्पताल ले जाएगा । क्योंकि वह असहाय है, मुसीबत में है। उसे मेरी मदद की ज़रूरत है। एक हताश व्यक्ति की सहायता करना हमारा कर्तव्य है। एक व्यक्ति की हताशा निराशा, असहायता, संकट, दुःख आदि को पहचानना चाहिए ।

पोस्टर

रक्तदान महादान

14 जून

एक बूँद रक्त दो

रक्तदान दिवस

एक जान बचाओ

रक्तदान समिति – कोषिकोड़

रक्तदान करो... स्वास्थ्य बढ़ाओ...

गोरे हो या काले खून का रंग लाल

अंगदान जीवन दान

नेत्रदान करो, प्रकाश फैलाओ

नेत्रदान महादान

अपनी मृत्यु के बाद किसी को जीवित रहने दो

जीते-जीते रक्तदान, जाते-जाते अंगदान।

जाने के बाद नेत्रदान

करो दान गुर्दा हृदय, जिगर की...

पाठ-३

टूटा पहिया

टूटा पहिया (कविता)

- मुख्य बातें

  कवि - धर्मवीर भारती (लेखक, कवि, नाटककार)

  <u>टूटा पहिया</u>

- प्रतीकात्मक कविता है।
- आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई कविता है।
- महाभारत की पौराणिक कथा पर आधारित कविता है।
- टूटा पहिया, उपेक्षित और लघु मानव का प्रतीक है।
- अभिमन्यु उच्च मानव और न्याय का प्रतीक है।
- चक्रव्यूह सामाजिक समस्याओं का प्रतीक है।
- महारथी अन्याय और अधर्म का प्रतीक है।
- ब्रह्मास्त्र अधिकार का प्रतीक है।

विशेषण।	विशेष्य
टूटा	पहिया
दुरूह	चक्रव्यूह
निहत्थी	आवाज
दुस्साहसी	अभिमन्यु
बड़े-बड़े	महारथी
सामूहिक	गति

कविता पर टिप्पणी

मुझे मत फेंको

हिंदी के प्रसिद्ध लेखक, नाटककार, कवि धर्मवीर भारती की कविता है टूटा पहिया। आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई कविता है। पौराणिक कथा के आधार पर लिखी गई है।

कविता में कवि स्वयं टूटा पहिया मानता है। टूटा पहिया समझ कर उसे फेंक देना नहीं चाहिए। यह बाद में काम आएगा। महाभारत युद्ध में कई महारथी असत्य या अन्याय के पक्ष में रह कर लडे थे। अभिमन्यु निडर होकर। टूटा पहिए का सहारा लेकर उसका सामना भी किया। इसका याद दिलाते हुए कवि कहते हैं। कि इस प्रकार की

अधार्मिक घटनाएं आगे भी हो सकती इसलिए तुच्छ, नाचीज समझकर टूटे पहिए को फेंकना नहीं चाहती। सच्चाई सदा टूटे पहिए का सहारा ले सकता हैं यह एक प्रतीकात्मक कविता है।

यहां टूटा पहिया लघु मानव यानी उपेक्षित मानव का प्रतीक है। अभिमन्यु उच्च मानव अथवा न्याय का प्रतीक है। कौरव पक्ष के महारथी अन्याय का प्रतीक है। चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। महारथी शोषक का प्रतीक है। यह कविता बिल्कुल प्रासंगिक हैं।

इकाई २

पाठ १

आई एम कलाम के बहाने

पात्र पहचाने

मिहिर – लेखक

मोरपाल - मिहिर का मित्र

छोटु उर्फ कलाम - चाय की दुकान में काम करने वाला लड़का

रणविजय - ढाणी के राणा का बेटा

भाटी सा - चाय की दुकान का मालिक

लूसी मैडम - विदेशी टूरिस्ट

पटकथा

मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थी। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का । यानी मेरे टिफिन के राजमा चावल उसके और उसके छाछ का डिब्बा मेरा।

दृश्य ।

स्थान -स्कूल की कक्षा

समय - दोपहर एक बजे

पात्र - । ... मिहिर .११ साल का लड़का

पात्र २ ... मोरपाल ११ साल का लड़का

वेशभूषा ... नीली खाकी वर्दी पहना है।

(दोनों बच्चे खाना खाने बैठें है। एक के पास छाछ का डिब्बा है। दूसरे के पास राजमा चावल)

संवाद

मिहिर (झाँकते हुए) : अरे मोरपाल . आज क्या लाए हो ?

मारपाल : वही रोज का छाछ और तुम ?

मिहिर : हँसते हुग वही राजमा चावल 'यह लो ।

मोरपाल : क्या बात है ! एकदम बढिया।

मिहिर: यह छाछ मेरी बडी कमजोरी है।

मोरपाल: राजमा चावल कैसे बनाता है?

मोरपाल:	अम्मा को बधाई देना।

मिहिर:	जरूर । मोरपाल यह बड़ी अश्चर्य की बात हैं । यह छाछ बिना छलकाए कैसे यहाँ पहँचाते हो ?

मोरपाल :	यह ती कोई बडी बात नही । घंटी बज गई । चलो

मिहिर:	हाँ चलो।

डायरी

ध्यान दे

स्थान और तारीख का जिक्र हो। . भाषा आत्मनिष्ठ और स्वाभाविक हो . दैनिक जीवन के खास अनभवों . निरीक्षण का उल्लेख हो

.
मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा मैनेजर की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

5 नवंबर 1894

रविवार

आज का दिन मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण दिन था। मैंने जो कुछ किया था, वह बिल्कुल सही निकला। चार्ली बहुत होशियारी से लोगों को अपने वश में कर लिया। केवल पाँच साल का लड़का उग्र भीड को झेल पाएगा क्या? उसका जैक जोन्स का गाना ... बहूत अच्छा निकला। दूसरों की नकल उतारना नाचना सब अच्छे निकले । स्टेज पर लोग जमकर पैसे बरसने लगे। तारीफ करने लगे। मन खुशी से खिल उठने लगा। जरूर वह एक बडा शो मेन बनेगा। बस... आज इतना हो बहुत नींद आ रही है। एक सफल दिन की उम्मीद में .... शुभरात।

रपट - रुपरेखा

आकर्षक शीर्षक
घटना का विवरण
क्या . कौन, कब, कैसे, कहाँ आदि प्रश्नों के उत्तर देने लायक
लेखक का अपना दृष्टिकोण
वस्तुनिष्ठ

नीचे की सूचना के अनुसार रपट तैयार कीजिए-

.. बालक चार्ली का स्टेज पर आना

.. दर्शकों का चिल्लाना

.. माँ की आवाज़ फट गई

.. दुनिया के सबसे बडे शो मैन का जन्म

<u>पाँच वर्षीय बालक का कमाल</u>

लंदन: आज शहर के मशहूर थिएटर में एक प्रदर्शन चल रहा था। वहाँ हैन्ना चैप्लिन गीत गा रही थी। अचानक उसकी आवाज़ फट गई। दर्शकों के शोर से उसे स्टेज छोड़ना पड़ा । उसके स्थान पर पाँच साल का उसका बेटा चार्ली स्टेज पर आ गया। उसने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। दर्शक खडे होकर तलियाँ बजाने लगे। चार्ली की पहली और मॉ की आखिरी स्टेज था। इसमें कोई संदेह नही कि यह बालक कल बडा शो मैन बन जाएगा।

उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरमिड की पूर्ती करें।

(हाथ की बनाई, मोरपाल के)

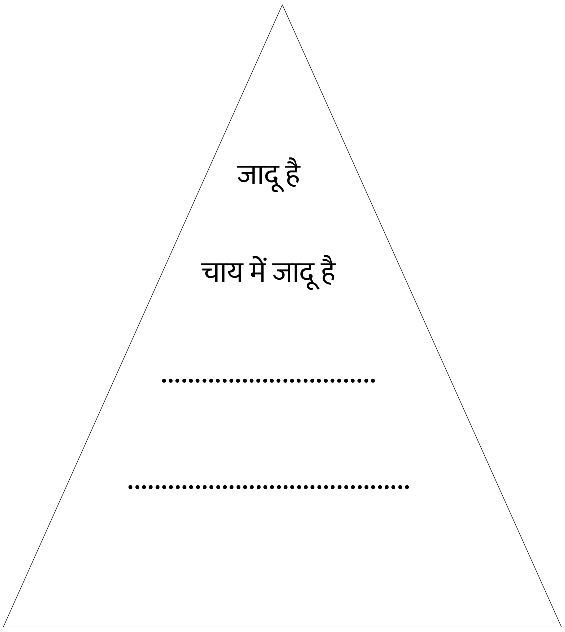

उदाहरण देखकर रिक्त स्थान पूरा करें

वह जैसलमेर से आएगी

छोटू और कलाम मिलकर स्कूल (जा) ......

वे दोनों मिलकर स्कूल (जा) ... ...